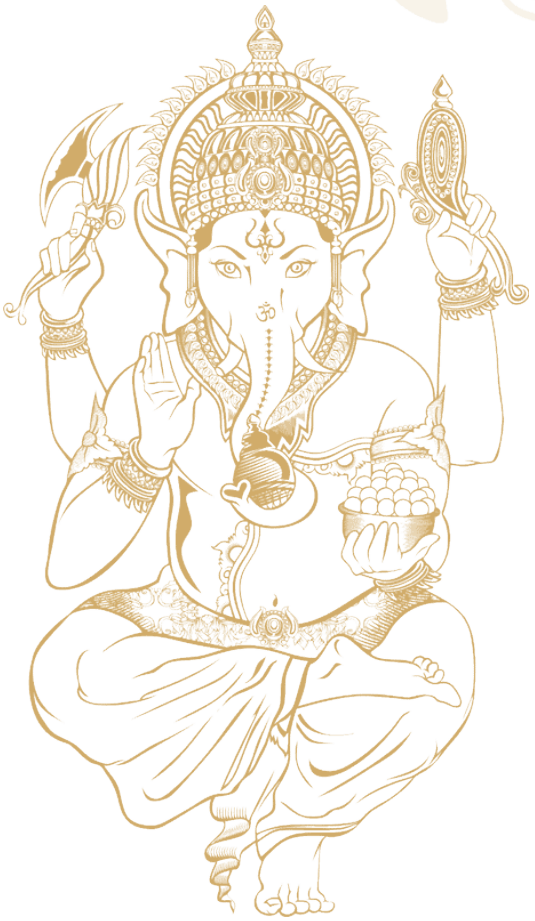

S

Pooja

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121248002

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
16/08/1999	जन्म तिथि	23/12/1999
सोमवार	दिन	गुरुवार
घंटे 17:38:00	जन्म समय	18:40:00 घंटे
घटी 29:18:40	जन्म समय(घटी)	28:43:21 घटी
India	देश	India
Alwar	स्थान	Alwar
27:32:00 उत्तर	अक्षांश	27:32:00 उत्तर
76:35:00 पूर्व	रेखांश	76:35:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:23:40	स्थानिक संस्कार	-00:23:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:54:32	सूर्योदय	07:10:39
19:01:02	सूर्यास्त	17:34:28
23:50:55	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:10

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 3वर्ष 1मा 7दि		05:57:12	मक	लग्न	मिथु	22:51:34	राहु 1वर्ष 3मा 19दि	
गुरु		29:20:48	कर्क	सूर्य	धनु	07:23:46	शनि	
22/09/2020		00:45:17	तुला	चंद्र	मिथु	19:02:04	12/04/2017	
22/09/2036		25:48:42	तुला	मंगल	मक	27:10:10	12/04/2036	
गुरु	11/11/2022	10:44:04	कर्क	बुध	वृश्चि	24:18:29	शनि	15/04/2020
शनि	24/05/2025	11:00:58	मेष	गुरु	मेष	01:10:18	बुध	24/12/2022
बुध	30/08/2027	05:37:19	सिंह व	शुक्र	तुला	26:56:30	केतु	02/02/2024
केतु	05/08/2028	23:10:13	मेष	शनि व	मेष	16:47:33	शुक्र	04/04/2027
शुक्र	06/04/2031	19:03:23	कर्क व	राहु व	कर्क	10:07:59	सूर्य	16/03/2028
सूर्य	23/01/2032	19:03:23	मक व	केतु व	मक	10:07:59	चन्द्र	15/10/2029
चन्द्र	24/05/2033	20:37:15	मक व	हर्ष	मक	20:31:28	मंगल	24/11/2030
मंगल	30/04/2034	08:34:13	मक व	नेप	मक	09:01:52	राहु	30/09/2033
राहु	22/09/2036	13:53:27	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	17:16:41	गुरु	12/04/2036

लग्न-चलित

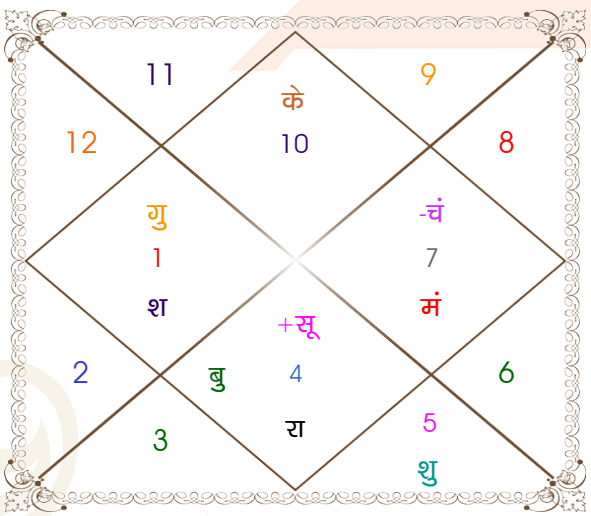

लग्न-चलित

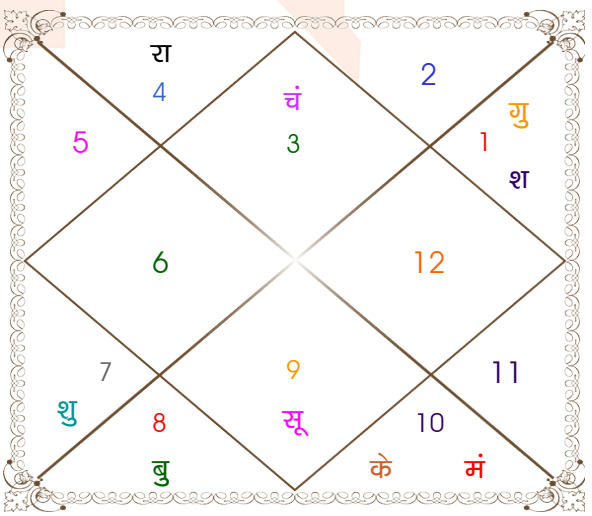

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	श्वान	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	तुला	मिथुन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

गणदोष प्रभावहीन हS क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन हS क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

S का वर्ग मृग हS तथा च्ववरं का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार S और च्ववरं का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

S मंगलीक नही हS क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

च्ववरं मंगलीक हS क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल च्ववरं कि कुण्डली में उच्च का हS अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

S तथा च्ववरं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।